समूह सत्र नं0– 3

महिलाओं पर कार्यबोझ

उद्देश्य :–
सत्र के अंत में समूह के सदस्य लड़कियों और महिलाओं पर पड़ने वाले कार्यबोझ तथा इसका उनके ऊपर पड़ने वाले असर व जोखिम के बारे में समझ पायेगें।

पद्धति : समय मैपिंग व सामूहिक चर्चा

समय : 1 घंटा

सामग्री : चार्ट व मार्कर

चरण :–

1. सर्वप्रथम समूह के प्रतिभागियों को दो ग्रुपो में विभाजित करें।

2. ग्रुप 1 को लड़को/पुरूषों द्वारा सुबह 6 से 12 बजे, 12 से शाम 6 बजे, तथा शाम 6 बजे से रात सोने तक जो भी कार्य किये जाते हैं उनकी सूची बनाने के लिए कहें।

3. ग्रुप 2 को लड़कियों/महिलाओं द्वारा सुबह 6 से 12 बजे, 12 से शाम 6 बजे, तथा शाम 6 बजे से रात सोने तक जो भी कार्य किये जाते हैं उनकी सूची बनाने के लिए कहें।

(इस कार्य के लिए समूहों को 30 मिनट का समय दें।)

4. बड़े समूह में दोनों ग्रुपों के प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुतिकरण करने को कहें।

5. दोनों समूहों के प्रस्तुतीकरण हो जाने के बाद निम्न सवालों के आधार पर चर्चा करें –

- लड़के/पुरूषों और लड़कियों/महिलाओं के काम में क्या अन्तर देखते हैं?
- घर के अन्दर या घर के बाहर के काम हम देखते हैं तो कौन कहॉ काम करते हुए नजर आता है?
- घर के अन्दर काम करने से लड़कियां/महिलाएं किन अवसरों से वंचित रह जाती हैं? घर के कामों में क्या–क्या जोखिम होता है?
- घर के बाहर काम करने से/रहने से लड़कों/पुरूषों को क्या अवसर प्राप्त होते हैं? तथा कौन से जोखिम वह उठाते हैं?
- क्या समाज में काम का विभाजन लिंग के आधार पर होता है? या कौशल के आधार पर? कौशल कहॉ से आता है?
- क्या लडकियां/महिलायें काम का बोझ ज्यादा उठाती है?
- क्या लड़कियों/महिलाओं के साथ उन्हें बिना पूछे दिनभर कामों को जोड़ दिया जाता है?

6. फैसिलिटेटर अब लड़कों/पुरूषों से पूछे कि चार्ट में लिखे लड़कियों/महिलाओं के कौन से कामों को वह कर सकते हैं? और इसके लिए क्या–क्या तैयारियॉ करनी पड़ेगी?

सार :–

घर के अन्दर का ज्यादा कार्य बोझ लड़कियों व महिलाओं को उनके स्वं विकास के मौकों को कम कर देता है तथा उन्हें स्वावलम्बी बनने में रोकता है। बहुत सारी लड़कियों और महिलाओं को घर के साथ–साथ बाहर के भी काम करने पड़ते हैं जिसके कारण उनका शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है और उन्हें कुपोषण, पढ़ने के अवसरो से वंचित होना पड़ता है, हिंसा का डर, तनाव व अनेकों बीमारियां आदि समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

अतः परिवार के लड़के व पुरुष यदि समानता में विश्वास रखते है तथा खुशहाल जीवन जीना चाहते हैं तो उन्हें घर के अंदर लड़कियों/महिलाओं के कामों में हाथ बट़ाना होगा।

नोट : सत्र समापन के पूर्व समूह सदस्यों की प्रतिक्रियाएं जरूर लें तथा उनके द्वारा व्यक्त किये जाने वाले विचारों को नोट कर लें तथा जरूरत के आधार पर ही स्पष्टीकरण दें।

इसके बाद उपस्थित सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देते हुए सत्र का समापन करें।